भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **1755** जिसका उत्तर

मंगलवार, 6 **अगस्त**, **2024 (श्रावण 15**, **1946, (शक))** को दिया जाना है

हरियाणा से गुजरने वाले राष्ट्रीय जलमार्ग 45 और 110 की स्थिति

1755 श्री कार्तिकेय शर्मा :

क्या **पत्तन**, **पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हरियाणा से गुजरने वाले राष्ट्रीय जलमार्ग 45 और 110 की वर्तमान स्थिति क्या है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त जलमार्गों के विकास के लिए वित्तीय परिव्यय कितना है और हरियाणा में कितने पत्तन स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इनसे कितनी मात्रा में माल की ढुलाई किया जाना अपेक्षित है और राजस्व में राज्य का कितना हिस्सा होगा और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या हरियाणा में अन्य राष्ट्रीय जलमार्गों की पहचान करने और उनका विकास करने की कोई योजना है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): राष्ट्रीय जलमार्ग-45 (रा.ज.-45) (इंदिरा गांधी नहर) का निर्माण विशेष तौर पर राजस्थान हेतु सिंचाई के उद्देश्य से किया गया है। 650 कि.मी. की कुल घोषित लंबाई में से, इसका 19.83 कि.मी. का जलखंड हरियाणा से होकर गुजरता है। पूरी की गई व्यवहार्यता रिपोर्ट के अनुसार, इसके ऊपर कई निम्न ऊंचाई के पुलों की मौजूदगी के कारण जलयानों/नौकाओं के नौचालन के लिए रा.ज.-45 उपयुक्त नहीं है।

रा.ज.-110 (यमुना नदी) की 1081 कि.मी. की कुल घोषित लंबाई में से इसका 100.63 कि.मी. का जलखंड हरियाणा में है। इस जलमार्ग के लिए पूरी की गई विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के अनुसार, हरियाणा के जलखंड में उपलब्ध जल की न्यूनतम गहराई वर्ष में 330 दिनों के लिए 0.3 मीटर से 0.6 मीटर के बीच रहती है, जो कि इस समय हरियाणा में पोत परिवहन और नौचालन के विकास के लिए अव्यवहार्य है।

(ख) और (ग): ऊपर (क) में दिए गए उत्तर को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

(घ): इस समय हरियाणा में अन्य राष्ट्रीय जलमार्गों हेतु विचारार्थ कोई अन्य प्रस्ताव नहीं है।

*****